राज्यपाल सचिवालय
राजभवन जयपुर

अमलगमेटेड फंड की 30वीं बैठक

पूर्व सैनिकों की समस्याओं के लिए व्यावहारिक एवं सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाये

– राज्यपाल

जयपुर, 23 जनवरी। राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने कहा है कि भूतपूर्व सैनिकों, युद्व विधवाओं और शहीदों के आश्रित परिवारों के कल्याण के लिए विशेष प्रयास किये जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि त्याग, समर्पण व देश की रक्षा के लिए प्राणोत्सर्ग बहुत बड़ा कार्य होता है। पूर्व सैनिकों की समस्याओं के लिए व्यावहारिक एवं सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाया जाना जरूरी है।

राज्यपाल श्री मिश्र गुरूवार को राजभवन में आयोजित अमलगमेटेड फंड की प्रबंधकारिणी की 30वीं बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने विगत बैठक की कार्यवाही विवरण की पुष्टि एवं उसकी प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने बैठक में नवनिर्मित सैनिक विश्राम गृह, युद्ध विधवाओं के छात्रावासों, बालिका छात्रावासों, सैनिकों के आश्रितों, भूतपूर्व सैनिकों को अमलगमेटेड फंड से देय वित्तीय सहायता से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तृत विचार विमर्श किया।

उन्होंने कहा कि राज्य एवं केन्द्र सरकार को सैनिक कल्याण से संबंधित योजना को बढ़ावा देना चाहिए। बैठक में प्रस्तुत प्रस्तावों पर विचार करते हुए उन्होंने कहा कि कई प्रस्ताव समाज कल्याण विभाग एवं सामाजिक अधिकारिता विभाग से संबंधित है इसलिए इन विभागों के प्रतिनिधियों को भी समिति में सदस्यता देनी चाहिए। जिससे की योजनाओं के क्रियान्वयन में सुविधा हो सके। राज्यपाल श्री मिश्र ने कहा कि सैनिक वर्ग एक विशेष वर्ग है। उन्होंने कहा पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के प्रति सम्मान एवं सहयोग की भावना समाज में बनानी होगी।

बैठक में मुख्य सचिव श्री डी.बी. गुप्ता सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारीगण, तथा सेना व सैनिक कल्याण विभाग के अधिकारी, मौजूद थे।

———

डॉ. लोकेश चन्द्र शर्मा
सहायक निदेशक (जनसम्पर्क) राज्यपाल